ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान

जोधपुर, राजस्थान

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 08-09-2023

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-09-08 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-09-09	2023-09-10	2023-09-11	2023-09-12	2023-09-13
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	39.0	39.0	37.0	37.0	36.0
न्यूनतम तापमान(से.)	27.0	27.0	26.0	26.0	25.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	44	42	47	56	61
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	19	13	17	22	26
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	12	25	31	30	27
पवन दिशा (डिग्री)	176	239	242	231	229
क्लाउड कवर (ओक्टा)	3	3	2	3	7

मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी दिनों में मौसम शुष्क रहने और बादल छाए रहने की संभावना है

सामान्य सलाहकार:

आगामी दिनों में शुष्क मौसम की संभावनाओं को देखते हुए किसान भाई मूँग, ग्वार, तिल तथा बाजरा की फसल में मुरझान बिंदु दिखाई देने पर सिंचाई करें।

लघु संदेश सलाहकार:

मिर्च की फसल में श्यामव्रण (एन्थ्रेक्नोज) रोग के नियंत्रण के लिए डाइफेन्कोनाझोल 25 ई.सी. आधा मिली लीटर का प्रति लीटर पानी के हिसाब से छिडकाव करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
कपास	खेत में नियमित निगरानी रखें यदि कपास के खेत में बालवर्म कीट का प्रकोप दिखाई दे तो कार्बेरिल 50 प्रतिशत घुलनशील चूर्ण ढाई किलो प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करे इसके साथ 8 ग्राम

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
	स्ट्रेप्टोसाइक्लिन भी मिलाएं।
रेंड़ी	अरण्डी की फसल को सेमीलूपर के प्रकोप की सम्भावना है। नियंत्रण के लिए एक लीटर क्यूनालफॉस 25 ई.सी का प्रति हैक्टेयर में छिडकाव करें।
तिल	तिल की फसल में फाईलोडी रोग के नियंत्रण के लिए रोगी पौधों को उखाड़कर नष्ट कर देवे तथा इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस.सी. का 2 मिलीलीटर प्रति 10 लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
टमाटर	टमाटर में पर्णकुंचन या विषाणु रोग के कारण पत्तियां सिकुड कर मुड जाती है तथा पत्तियों पर हल्का पीलापन लिए हुए हरे रंग के धब्बे हो जाते है। रोग के नियंत्रण हेतु मैलाथियॉन 50 ई.सी 1 मिली लीटर का प्रति लीटर पानी के हिसाब से छिडकाव करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशु बाडे में मल-मूत्र व कचरा आदि के कारण पशु में संक्रामक रोगों व परजीवियों का प्रकोप बढ़ने का खतरा रहता है। अतः बाड़े की साफ-सफाई पर ध्यान दें।